मत रहो गुमसुम गुमसुम | By Anurag Mitta

अहिलवती के लाला की दिलदारी को देखो तुम
खाटू के राजा की दातारी को देखो तुम
जाओ दर पे जाओ अपना शीश झुकाओ
सारी खुशियां पाओ, झोली को भरो तुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम

सच्ची भावना तुम दिल में लाओ
दिल में आस ले द्वारे पे जाओ
फिर उन्हें सभी दुखड़े सुनाओ
दिल में जो है गम सारे बताओ
ज़िन्दगी चमकाओ, साँसों को महकाओ
दिल ना अपना जलाओ, उलझन न करो तुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम

दूर होंगे ग़म वो है दयालु
वो करे रहम वो है कृपालु
एक बार तुम खाटू में जाओ
एक बार तुम सर को झुकाओ
जाओ मत घबराओ, आंसू तुम ना बहाओ
उनको दिल में बसाओ, हरगिज़ ना डरो तुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम

एक बार जो दिल से पुकारे
मिट ही जाते हैं दुखड़े ही सारे
किसलिए भला तुम बेखबर हो
जाओ द्वारे पे उनकी महर हो
जाओ अन्नू जाओ, लाभ तुम भी पाओ
सोये भाग्य जगाओ, ग़ाफ़िल ना रहो तुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम
मत रहो गुमसुम, मत रहो गुमसुम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%ae-by-anurag-mitta/